Publication	**Hindustan Times**	**Language**	English
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	26/08/2025	**Page no**	16
CCM	4.13		

North Gujarat dairy cooperatives drives up processing capacity

North Gujarat dairy cooperatives drives up processing capacity

The dairy sector in North Gujarat is witnessing a remarkable transformation as Banaskantha, Mehsana, and Sabarkantha dairy cooperatives scale up their processing capacity and innovation. The dairy cooperatives such as Banaskantha, Mehsana, and Sabarkantha have emerged as national and international leaders in the sector.

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Business Standard**	**Language**	English
Edition	New Delhi	**Journalist**	Anil Sharma
Date	26/08/2025	**Page no**	7
CCM	17.48		

Govt to build godowns to boost food storage capacity

RAJASTHAN

Govt to build godowns to boost food storage capacity

ANIL SHARMA
Jaipur, 25 August

The Rajasthan government is aiming to increase food storage capacity for the benefit of farmers by building godowns on a large scale in the cooperative sector.

"Farmers grow food grains by working hard even in adverse conditions. However, due to harsh weather and limited storage capacity, the produce is often wasted. So, the state government has decided to build godowns," a cooperative department official said.

Under the 'Sahkar se Samriddhi' programme, the Centre is operating a food storage scheme in the cooperative sector. "Under the scheme, funded by the state government, priority is being given to districts with relatively less storage capacity compared to production," the official added.

In the budget announcement of the state government for the year 2024-25, a provision of ₹31 crore was made for the construction of 100 godowns of 500 million tonne capacity and to revamp 50 dilapidated godowns of 100 million tonne capacity.

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Dainik Bhaskar**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	26/08/2025	**Page no**	9
CCM	33.45		

CM Sai sent a message from Japan, said- Handloom is our ancient heritage

छत्तीसगढ़ : बुनकर अधिवेशन में राष्ट्रीय आयोग बनाने का मसौदा तैयार, दो दिनों तक हुई चर्चा

सीएम साय ने जापान से भेजा संदेश, कहा- हथकरघा हमारी प्राचीन धरोहर

भास्कर न्यूज | रायपुर

प्रथम राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन का रविवार को समापन हो गया। इसमें दो दिनों तक राष्ट्रीय बुनकर आयोग बनाने के मसौदे पर चर्चा के बाद ठोस प्रस्ताव तैयार किया गया। अब इसे केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। जापान के दौरे पर गए सीएम विष्णुदेव साय ने टोक्यो से भेजे संदेश में कहा कि हथकरघा परंपरा हमारी धरोहर है। इसे सुदृढ़ और रोजगारोन्मुखी बनाना हमारा जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह सहकार से समृद्धि की ओर देश को ले जा रहे हैं।

सीएम ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी 2025 को विश्व सहकारिता वर्ष घोषित किया है। प्रदेश में सहकारिता से समृद्धि को लेकर प्रयास हो रहे हैं। पैक्स समितियों को बहुउद्देशीय बनाना जा रहा है। दुग्ध, मत्स्य, वनोपज व अन्य समितियों को भी पंजीकृत कर मजबूत बनाया जा रहा है। अधिवेशन में बुनकरों की स्थिति, आधुनिक मशीनों से बनने वाले कपड़ों से मिलने वाली प्रतिस्पर्धा, सीमित बाजार, बुनकर तथा हथकरघा कार्य में धागे तथा कच्चे माल की कमी, बुनकरों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, तथा उचित पारिश्रमिक के भुगतान पर चर्चा हुई।

राजकीय गमछा हथकरघा से बनाएं:कृषि मंत्री नेताम

वरिष्ठ मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बुनकरों की स्थिति बेहद अच्छी नहीं है, आज भी हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाला

राजकीय गमछा मशीनों से बना होता है, जबकि उसे हाथकरघा से बना होना चाहिए। हमें अच्छी क्वालिटी के उत्पाद तैयार करने जरूरत है। साल 2000 में छत्तीसगढ़ का उदय हुआ। प्रदेश की भाजपा सरकार ने इसे विकसित राज्य बनाने की कोशिश की। इसका परिणाम है है कि समकालीन राज्यों में छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित हो रहा है।

****

Downloaded from
SAMVAD